भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी के संबोधन का प्रारूप

दिनांक : 15 अगस्त 2024, गुरुवार	**समय : 12.30 PM**	**स्थान : गौहाटी कॉमर्स कोलेज**

नमस्कार!

1. आज, हम सब देशवासी, आज़ादी की वर्षगांठ मना रहे हैं। यह स्वर्णिम क्षण, हमें अत्यंत गर्व और आनंद की अनुभूति दे रहा है। इस पावन अवसर पर, शिक्षा के इस मंदिर में उपस्थित देश के भावी कर्णधार, मेरे प्यारे विद्यार्थियों सहित अपने असम के सभी नागरिकों को, हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूं।
2. आज, 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, राजभवन, असम और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, असम द्वारा आयोजित चित्रकला, तत्क्षण भाषण और फेस पेंटिंग प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों को सम्मानित करने का सौभाग्य मिला है। इन युवा कलाकारों ने अपनी अभूतपूर्व कला के माध्यम से स्वतंत्रता का गर्व और उल्लास अनूठे ढंग से व्यक्त

किया है। उनके अदम्य समर्पण और प्रतिभा ने मुझे अत्यंत प्रभावित किया है। मैं उनके उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूं।

3. आज का दिन, हम सब देशवासियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह ऐतिहासिक दिन, हर नागरिक के दिल में देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रबल करता है, अपने देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज़्बा भर देता है।

4. भारत "युवाओं का देश" है। हमारे देश की आबादी में युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या है, जो कुल आबादी का 35 प्रतिशत है। यही वजह है कि विकास की दिशा में हमारा देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। कहने का अभिप्राय यह है कि देश का युवा-वर्ग ही, देश को और अधिक मजबूती प्रदान करने की क्षमता रखता है। आप सभी युवाओं पर देश का भविष्य निर्भर है, आप देश के भावी कर्णधार हैं।

अत: आपको यह हमेशा ध्यान रखना होगा कि आप अपने पठन-पाठन के अतिरिक्त जो भी काम करें, उससे देश के किसी नागरिक का कोई नुकसान न हो। अर्थात् आप अपने अधिकारों के साथ-साथ, अपने कर्तव्यों का भी निष्ठापूर्वक पालन करें।

5. देश आप पर हमेशा गर्व करता है। आज, राष्ट्र के नव निर्माण में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से दिखाई देने लगी है। चाहे विज्ञान हो, कला हो, तकनीक हो, कृषि हो, खेल हो - हर क्षेत्र में, युवा अपना वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हैं। नई सोच के साथ, विशेष रूप से, सामाजिक बदलाव एवं सुधार के क्षेत्र में, हमारा युवा-वर्ग, आज बढ़-चढक़र हिस्सा ले रहा है।

अमृत काल के दौरान देश जहां, "नया भारत, विकसित भारत" के निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है, वहां, युवाओं की भूमिका और भी अधिक हो जाती है।

6. जब देश का युवा ‘राष्ट्र प्रथम’ की सोच के साथ आगे बढ़ता है, तब उसे दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती है। "राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम" की भावना के साथ, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के निरंतर प्रयास के परिणामस्वरूप ही आज दुनिया, भारत को एक नई दृष्टि से देख रही है। आज भारत सुरक्षा से जुड़ी सभी चुनौतियों का जवाब नई ऊर्जा और नए आत्मविश्वास के साथ दे रहा है।

7. मुझे लगता है कि आज की इस प्रतियोगिता में हमारे प्यारे विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया है। यह "प्रतियोगिता" युवाओं को नए भारत के निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। हमारे देश का भविष्य हमारे ऊर्जावान युवाओं के हाथों में है, वे निश्चित रूप से देश को पुन: "विश्व गुरु" के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ी भूमिका निभाने की क्षमता रखते हैं।

8. इस "प्रतियोगिता" में अलग-अलग शैक्षिक संस्थानों से आए युवा मित्रों को, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए, मैं पुन: शुभकामनाएँ देते हुए अपनी वाणी को यहीं विराम देता हूँ।

जय हिंद,

जय भारत।